खास-खबरें

चिमनगंज मंडी में मुहूर्त की खरीदी में चना 21 हजार, सोयाबीन 9 हजार और गेहूं 4200 रुपये क्विंटल बिका



नईदुनिया, प्रतिनिधि, उज्जैनः दीपावली के बाद चिमनगंज कृषि उपज मंडी में नए व्यापारिक वर्ष की शुरुआत उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। शुभ मुहूर्त में हुई खरीदी के दौरान चना 21,011 रुपये, सोयाबीन 9,000 रुपये और गेहूं 4,200 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बिका। ऊंची बोली लगने से किसानों में खुशी रही। इस अवसर पर किसान बैलगाड़ियों से अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे और ढोल-नगाड़ों तथा आतिशबाजी के बीच नए व्यापारिक साल का स्वागत किया। मुहूर्त की खरीदी में किसान मनोज नाथूलाल का चना महावीर ट्रेडिंग कंपनी ने 21,011 रुपये प्रति क्विंटल में खरीदा। शांतिलाल तुलसीराम की सोयाबीन अग्रवाल फर्म ने 9,000 रुपये प्रति क्विंटल में खरीदी। वहीं संतोष सिंह बाबूसिह (पवसा) के गेहूं की बोली अंबिका फर्म ने 4,200 रुपये प्रति क्विंटल लगाई। मंडी अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल और सचिव राजेश गोयल ने बताया कि मुहूर्त की खरीदी पूरी होने के बाद किसानों, व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों ने आतिशबाजी कर खुशियां मनाईं। ढोल की थाप पर लोग झूमते नजर आए। इसके बाद किसानों की ओर से दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

दिग्विजय सिंह की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा के स्वागत की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की बैठक



नईदुनिया, प्रतिनिधि, चंदेरीः पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा के चंदेरी आगमन पर भव्य स्वागत की तैयारियों को लेकर पूर्व विधायक गोपाल सिंह चौहान के निवास पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा के स्वागत और कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। पूर्व विधायक गोपाल सिंह चौहान के नेतृत्व में ग्राम तगारी से राजघाट तक यात्रा का स्वागत किया जाएगा। इस दौरान चंदेरी के कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का स्वागत करेंगे और यात्रा के साथ राजघाट तक चलेंगे।

कलचुरी समाज को पंचायत स्तर तक किया जाएगा संगठित, परिवारों की बनेगी डायरेक्टरी



नईदुनिया, प्रतिनिधि, बरेलीः जिला कलचुरी (कलार) समाज की बैठक एवं दीपावली मिलन समारोह जीके पैलेस में जिलाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में समाज को प्रजातांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप संगठित और मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। सर्वसम्मति से पंचायत स्तर तक सामाजिक इकाइयों का गठन कर जिलेभर के समाजजनों को एकजुट करने का निर्णय लिया गया। बैठक में समाज के परिवारों की गणना कर उनकी विस्तृत जानकारी संकलित करने और संगठन के अंतर्गत महिला एवं युवा इकाइयों का गठन करने पर सहमति बनी। साथ ही प्रांतीय एवं राष्ट्रीय संगठनों से रायसेन जिले में अलग से जिला स्तरीय नियुक्तियां नहीं करने की अपील करने का निर्णय लिया गया। बैठक से पूर्व आयोजित दीपावली मिलन समारोह में जिलेभर से आए समाजजनों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेंद्र वर्मा एवं अंकित वर्मा ने अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया।

कुबेरेश्वरधाम में 17 नवंबर को मनेगी गोपाष्टमी

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित कुबेरेश्वरधाम में दीपोत्सव के बाद अब गोपाष्टमी और अन्नकूट महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी 17 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में गोपाष्टमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में गोवर्धन पूजन की आकर्षक झांकी सजाई जाएगी। भगवान गिरिराज गोवर्धन को 56 व्यंजनों के साथ 108 भोग अर्पित किए जाएंगे। खास बात यह रहेगी कि इस बार भोग में स्वाद के साथ स्वास्थ्य और पोषण का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। इम्युनिटी मजबूत करने वाली औषधीय एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री से विभिन्न पकवान तैयार किए जाएंगे। गुरुवार को भी हजारों की संख्या में आए श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। गिरिराज जी को अर्पित किए जाने वाले छप्पन भोग में तुलसी, नारियल, अदरक, दही, पनीर, आंवला, पालक, मेथी, ड्राय फ्रूट और कद्दू की सब्जी सहित अनेक पौष्टिक एवं औषधीय गुणों वाली सामग्री शामिल की जाएगी। इनके माध्यम से विभिन्न प्रकार के व्यंजन और पकवान तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा एक दर्जन से अधिक तरह की मिठाइयां भी भोग के लिए बनाई जाएंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रकार की शुगर फ्री मिठाइयां भी तैयार की जाएंगी। आयोजन में 108 भोग और विशेष पूजा-अर्चना के साथ भगवान गोवर्धन की भव्य झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार दूसरी बार देश में नंबर-1 बना उज्जैन

महाकाल के चरणों में समर्पित की ट्रॉफी

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः स्वच्छता के क्षेत्र में उज्जैन ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उज्जैन ने लगातार दूसरी बार देश में पहला स्थान हासिल किया है। दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के बाद गुरुवार को महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ट्रॉफी लेकर उज्जैन पहुंचे। उन्होंने श्री महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर सम्मान बाबा महाकाल के चरणों में समर्पित किया।

महाकाल मंदिर में किया सम्मान समर्पितः इंदौर एयरपोर्ट से उज्जैन पहुंचने के बाद



जनप्रतिनिधि और अधिकारियों का दल सीधे महाकाल मंदिर पहुंचा। यहां नीलकंठ द्वार और गर्भगृह में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद संत उमेशनाथ जी महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा और नगर भाजपा अध्यक्ष संजय अग्रवाल भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने दी बधाईः महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने अपर आयुक्त डॉ. नेहा जैन, पवन कुमार सिंह सहित अधिकारियों के साथ संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से मुलाकात कर ट्रॉफी दिखाई। दोनों अधिकारियों ने नगर निगम की टीम को बधाई दी।

स्वच्छता बनाए रखने की अपीलः महापौर मुकेश टटवाल और आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने शहरवासियों से स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे शहर के नागरिकों और सफाई मित्रों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। नागरिक कचरा खुले में न फेंकें और केवल कचरा संग्रहण वाहनों में ही डालें, ताकि उज्जैन की स्वच्छता की पहचान कायम रहे।

सफाई मित्रों का किया सम्मान

इस उपलब्धि का श्रेय नगर निगम के सफाई मित्रों को देते हुए उनका विशेष सम्मान किया गया। सुबह तीन बजे से शहर की सफाई में जुटने वाले कर्मचारियों को महाकाल का दुपट्टा पहनाया गया और मालाएं भेंट कर सम्मानित किया गया। उनका मुंह मीठा कराकर इस उपलब्धि की खुशियां साझा की गईं। निगम मुख्यालय में भी ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया गया।

उज्जैन देश के टॉप-3 प्रदूषित शहरों में शामिल नहीं, दिवाली पर 175 पहुंचा था एक्यूआई

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः दीपावली पर आतिशबाजी और शहर में चल रहे निर्माण कार्यों के कारण दो दिनों तक उज्जैन की हवा की गुणवत्ता प्रभावित रही, लेकिन शहर के देश के तीन सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल होने का दावा गलत निकला है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में दिवाली की रात वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 175 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। बोर्ड ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावों का खंडन किया है।

जानकारी के अनुसार, 8 नवंबर को महालक्ष्मी पूजन और 9 नवंबर को पड़वा के दौरान शहर में जमकर आतिशबाजी हुई। वहीं सीवरेज और अन्य विकास कार्यों के लिए की जा रही खुदाई से सड़कों पर धूल जमा थी। पटाखों के कारण धूल और धुएं के कण हवा में फैल गए। इससे शहर की घनी बस्तियों के साथ बाहरी कॉलोनियों में भी धुंध छा गई थी। कुछ क्षेत्रों में दृश्यता 20 फीट तक सीमित होने की बात सामने आई।

तीन स्थानों से लिए नमूनेः सोशल मीडिया पर उज्जैन को देश के टॉप-3 प्रदूषित शहरों में शामिल बताए जाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अतुल कोटिया और एचएस शर्मा की टीम ने शहर के तीन प्रमुख स्थानों से वायु एवं ध्वनि के नमूने एकत्र किए। जांच में एक्यूआई 175 दर्ज किया गया। प्रयोगशाला प्रभारी राजाराम भंवर के अनुसार, प्रदूषण बढ़ने के पीछे आतिशबाजी और निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल प्रमुख कारण रहे।

नगर निगम ने कराया पानी का छिड़काव

हवा में मौजूद धूल के सूक्ष्म कणों को कम करने के लिए नगर निगम ने प्रमुख सड़कों पर पानी छिड़काव मशीनों से पानी का छिड़काव कराया। इससे धूल को नियंत्रित करने में मदद मिली। दो दिनों बाद शहर की हवा की स्थिति में सुधार हुआ। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों ने स्पष्ट किया कि उज्जैन देश के टॉप-3 प्रदूषित शहरों में शामिल नहीं था, हालांकि दिवाली के दौरान हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई थी।

गौ सम्मान की मांग को लेकर 4 दिसंबर को भोपाल कूच करेंगे गौ भक्त

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने और उनके संरक्षण के लिए कानून बनाने की मांग को लेकर 4 दिसंबर को भोपाल में विशाल जनआह्वान किया जाएगा। इसमें विदिशा जिले से 500 वाहनों के साथ गौ भक्तों के पहुंचने का संकल्प लिया गया है। अभियान की तैयारियों को लेकर बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राजस्थान से आए गौ सेवा अभियान से जुड़े सनातन शरण जी महाराज ने कहा कि देश में कई महत्वपूर्ण कानून और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं, लेकिन गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान देने की मांग अब तक पूरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि गौवंश की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। केवल गौमाता की जय बोलने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनकी रक्षा के लिए धरातल पर सक्रिय होना होगा।

गांव-गांव चलाएंगे हस्ताक्षर अभियानः महाराज ने कहा कि सड़कों पर दुर्घटनाओं में गौवंश की मौत और गौहत्या की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। गौमाता का सम्मान और संरक्षण किसी एक जाति, धर्म या संगठन का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने गौ भक्तों से गांव-गांव जाकर जनजागरण करने और अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर जुटाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को 4 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में भोपाल पहुंचने का संकल्प भी दिलाया।

संतों ने भी किया संबोधितः बैठक को नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास महाराज, गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास जी महाराज, वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास जी महाराज, मूडरी धाम के महंत परशुराम दास जी महाराज और अंतरराष्ट्रीय कथावाचक डॉ. अभिषेक कृष्ण शास्त्री सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए संतों ने संबोधित किया। इस दौरान मुरादपुर, नूरपुर, विदिशा, त्योंदा और मल्हारगढ़ से आए संतों ने भी विचार रखे।

शिव-पार्वती विवाह पूरे ब्रह्मांड का विवाह है : आचार्य

गंजबासौदा। शीतला माता मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कथावाचक आचार्य पंडित विकास आनंद ऐलिया ने भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शिव-पार्वती विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि पूरे ब्रह्मांड का विवाह है। कथा के दौरान आचार्य ने बताया कि पर्वतराज हिमालय की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर माता जगदंबा ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लेने का वरदान दिया था। इसके बाद माता पार्वती ने हिमालय के घर जन्म लिया। उनके बड़े होने पर पर्वतराज को उनके विवाह की चिंता सताने लगी। माता पार्वती बचपन से ही भगवान भोलेनाथ की अनन्य भक्त थीं और उन्हें पति रूप में पाने की कामना करती थीं। उन्होंने बताया कि एक दिन महर्षि नारद पर्वतराज के घर पहुंचे और भगवान शिव के साथ माता पार्वती के विवाह का संयोग बताया। इसके बाद भगवान भोलेनाथ नंदी पर सवार होकर भूत-प्रेतों और अपने गणों के साथ बारात लेकर पहुंचे।

बेटी के जन्मदिन पर विवाद के बाद घर में घुसकर परिवार पर हमला, 12 घंटे में तीन आरोपी गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, नागदाः बेटी का जन्मदिन मनाने को लेकर पड़ोसी से हुआ विवाद हिंसक घटना में बदल गया। उज्जैन जिले के बिरलाग्राम थाना क्षेत्र की अशोक कॉलोनी में पांच लोगों ने एक घर में घुसकर परिवार के सदस्यों के साथ लाठी-डंडों और लोहे के हथौड़े से मारपीट की। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, फरियादिया सरिता (45) की बेटी का 9 नवंबर को जन्मदिन था। इस आयोजन को लेकर पड़ोसी विजय जिनवाल से कहासुनी हुई थी। इसी रंजिश के चलते 11 नवंबर की शाम करीब 7 बजे विजय अपने चार साथियों के साथ सरिता के घर पहुंचा। आरोपियों ने घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए सरिता, उनके पति ताराचंद्र, सास श्यामाबाई, बेटी लावण्या और सीताबाई के साथ मारपीट की। हमले में परिवार के सदस्यों को चोटें आईं। आरोपियों ने घर में तोड़फोड़ भी की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

उज्जैन और इंदौर से बुलाए थे साथीः मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देश पर एएसपी करणदीप सिंह और सीएसपी नागदा कमल निगवाल के मार्गदर्शन में बिरलाग्राम थाना प्रभारी उप निरीक्षक जितेंद्र पाटीदार ने टीम गठित की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मुख्य आरोपी विजय जिनवाल को गिरफ्तार किया। वह इंदौर के सांवेर में



रह रहा था। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उज्जैन के नानाखेड़ा स्थित अक्षय नगर निवासी मुकेश भारती (52) और उसके बेटे अमन भारती (27) को भी गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल लोहे का हथौड़ा और दो लकड़ी के डंडे जब्त किए गए।

दो आरोपियों की तलाश जारी: पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें खाचरोद उपजेल भेज दिया गया। घटना में शामिल दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

दो दिन के जज्बे ने बदल दी हाथी घाट की तस्वीर, चमक उठा मां सीवन का तट

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः शहर की जीवनदायिनी मां सीवन का हाथी घाट, जो कुछ दिन पहले तक जलकुंभी, पूजन सामग्री और मलबे से पूरी तरह पटा हुआ था, आज अपनी बदली हुई तस्वीर के साथ लोगों को आकर्षित कर रहा है। यह बदलाव किसी एक दिन में नहीं आया, बल्कि सीवन पुत्र एवं सीवन योद्धाओं के दो दिनों के अथक परिश्रम, समर्पण और प्रकृति के प्रति उनके जज्बे का परिणाम है।

मंगलवार और बुधवार को सीवन पुत्र टीम के सदस्यों ने हाथी घाट पर पहुंचकर स्वच्छता अभियान चलाया। लगातार दो दिनों तक कड़ी मेहनत करते हुए जलकुंभी, पूजन सामग्री और घाट पर जमा मलबे को हटाया गया। बुधवार को जैसे ही घाट के सामने से जलकुंभी और पूजन सामग्री पूरी तरह हटाई गई, मां सीवन के घाट का बदला हुआ स्वरूप देखकर वहां से गुजरने वाला हर व्यक्ति आश्चर्यचकित रह गया। लोगों ने सीवन योद्धाओं की मेहनत और समर्पण की सराहना की।

जहां आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास प्रकृति के लिए कुछ पल निकालना भी मुश्किल है, वहीं सीवन पुत्र टीम के सदस्य सुबह से शाम तक बिना थके, बिना रुके नदी संरक्षण के कार्य में जुटे रहे। उनका संकल्प साफ है कि मां सीवन को उसका मूल स्वरूप लौटाना है।



सहयोग के लिए आगे आए लोगः बुधवार को नदी संरक्षण के इस अभियान में कई लोगों ने अपने मदद के हाथ आगे बढ़ाए। इनमें कपिल जगवानी (भोपाल), संजय जोशी, सुनील राय, महेंद्र सिंह मेवाड़ा, विकास महाजन और सुनील भारद्वाज का विशेष सहयोग रहा। वहीं सीवन पुत्र के रूप में मिसाल बन रहे मुकेश राय का जज्बा मंगलवार के साथ बुधवार को भी देखने को मिला। वे सुबह से शाम तक लगातार नदी संरक्षण के कार्य में जुटे रहे। इस दौरान प्रकाश यादव, वैभव राठौर, वीरेंद्र सिंह बिसोरिया, प्रदीप चावड़ा, अशोक नामदेव, सुरेश भगत, देवेंद्र राय,श्याम विश्वकर्मा,भूपेंद्र केवट और अमित केवट ने भी श्रमदान कर अभियान को गति दी।

2026 का संकल्प : जलकुंभी मुक्त जीवनः सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि वर्ष 2026 के लिए टीम ने 'जलकुंभी मुक्त जीवन' का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के तहत स्वच्छता अभियान और जलकुंभी निकालो अभियान निरंतर जारी है। साथ ही नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए विभिन्न स्थानों पर पूजा सामग्री पात्र भी रखवाए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालु पूजन सामग्री नदी में प्रवाहित करने के बजाय निर्धारित पात्रों में डालें।

उन्होंने बताया कि इस अभियान को लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। शहरवासियों की भी यही इच्छा है कि मां सीवन अपने पुराने और स्वच्छ स्वरूप में लौटे। हाथी घाट की बदली हुई तस्वीर ने इस उम्मीद को और मजबूत किया है।

11 माह से निरंतर जारी है अभियानः सीवन पुत्र टीम का यह अभियान पिछले 11 महीनों से लगातार जारी है और आगे भी इसी तरह चलता रहेगा। सीहोर से शुरू हुई यह पहल अब नदी संरक्षण के क्षेत्र में देशभर के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

संकल्प वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को भेंट किए रामचरितमानस और गीता

सीहोर। शहर के कोलीपुरा स्थित श्री लक्ष्मी-नृसिंह मंदिर में दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय श्री यंत्र पूजन-अर्चन के समापन के बाद क्षेत्रवासियों को श्री यंत्र वितरण का शुभारंभ सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प वृद्धाश्रम से किया गया। इस अवसर पर संत माधवदास महाराज, आश्रम संचालक राहुल सिंह, संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा, यज्ञाचार्य कुणाल व्यास, सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट सहित अन्य उपस्थितजनों ने वृद्धजनों को श्री यंत्र के साथ रामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता और अन्य धार्मिक ग्रंथ भेंट किए।

कार्यक्रम में संत माधवदास महाराज ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला, भक्ति और मानव कल्याण का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके प्रत्येक प्रसंग में जीवन को बेहतर बनाने और समाज को सद्मार्ग पर ले जाने की प्रेरणा मिलती है। वहीं श्रीमद्भगवद्गीता मनुष्य को सही मार्ग पर चलने, अपने कर्तव्यों का पालन करने और जीवन में श्रेष्ठ लक्ष्य प्राप्त करने की सीख देती है। धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन व्यक्ति के विचारों को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान महर्षि विश्वामित्र जयंती भी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई।

कार्तिक-अगहन में नगर भ्रमण पर निकलेंगे बाबा महाकाल, 16 नवंबर से शुरू होंगी सवारियां

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः अवंतिका नगरी में कार्तिक और अगहन (मार्गशीर्ष) माह के दौरान भगवान श्री महाकालेश्वर की पारंपरिक सवारियां निकाली जाएंगी। मंदिर प्रबंध समिति ने पांच सवारियों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। पहली सवारी 16 नवंबर को निकलेगी, जबकि 22 नवंबर की रात 11 बजे हरिहर मिलन होगा। सवारियों का समापन 7 दिसंबर को राजसी सवारी के साथ होगा। परंपरा के अनुसार, भगवान महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में रजत पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण करेंगे और भक्तों को दर्शन देंगे। इस दौरान धार्मिक उल्लास के साथ विभिन्न मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी।

22 और 23 नवंबर को लगातार दो दिन सवारीः इस वर्ष श्रद्धालुओं को लगातार दो दिन भगवान महाकाल की सवारी के दर्शन का अवसर मिलेगा। 22 नवंबर रविवार की रात 11 बजे भगवान महाकाल मनमहेश स्वरूप में पालकी पर सवार होकर गोपाल मंदिर पहुंचेंगे। यहां परंपरागत हरिहर मिलन का आयोजन होगा। इसके अगले दिन 23 नवंबर सोमवार को कार्तिक माह की दूसरी सवारी निकाली जाएगी।

सुरक्षा और व्यवस्थाओं की तैयारीः लगातार दो दिन होने वाले आयोजनों में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सवारी मार्ग पर बैरिकेडिंग, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षा व्यवस्था, मजिस्ट्रेट ड्यूटी और मेडिकल टीम की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा प्रचार वाहन, महाकाल ध्वज और रजत ढोल की व्यवस्था भी रहेगी। समिति ने श्रद्धालुओं से निर्धारित नियमों का पालन करने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

7 दिसंबर को निकलेगी राजसी सवारीः कार्तिक-अगहन माह की सवारियों का समापन 7 दिसंबर सोमवार को भव्य राजसी सवारी के साथ होगा। इस दौरान भगवान महाकाल नगर भ्रमण पर निकलेंगे। मंदिर समिति और प्रशासन ने आयोजन को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।



सवारियों का कार्यक्रम

- 16 नवंबर 2026 : प्रथम सवारी
- 22 नवंबर 2026 : हरिहर मिलन सवारी, रात 11 बजे
- 23 नवंबर 2026 : द्वितीय सवारी
- 30 नवंबर 2026 : तृतीय सवारी
- 7 दिसंबर 2026 : चतुर्थ एवं राजसी सवारी

महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं को कतार में ही मिलेगा मुफ्त चाय-नाश्ता

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रबंध समिति ने नई पहल शुरू की है। अब दर्शन की कतार में लगे भक्तों को चाय, दूध, छाछ, पोहा और हलवा सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ निशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। समिति ने प्रतिदिन करीब एक लाख श्रद्धालुओं तक प्रसाद और अल्पाहार पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, मानसरोवर भवन, विश्राम धाम सहित दर्शन मार्ग के निर्धारित स्थानों पर यह व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को कतार में आगे बढ़ते हुए ही अल्पाहार और प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। लंबी प्रतीक्षा के दौरान बच्चों और बुजुर्गों को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखकर यह पहल की गई है। सामान्य दर्शनार्थियों को आमतौर पर 15 से 20 मिनट में दर्शन हो जाते हैं। इसी दौरान उन्हें यह सुविधा मिलेगी।

वीकेंड और त्योहारों पर विशेष तैयारीः शनिवार, रविवार और अवकाश के दिनों में मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। इसे देखते हुए समिति ने प्रतिदिन एक लाख लोगों तक अल्पाहार पहुंचाने की तैयारी की है। भीड़ के अनुसार वितरण केंद्रों और व्यवस्था का विस्तार भी किया जाएगा।

मौसम के अनुसार बदलेगा मेन्यूः श्रद्धालुओं को मौसम के अनुसार खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जाएंगे। सर्दियों में गर्म चाय, कॉफी और दूध दिया जाएगा, जबकि गर्मियों में छाछ, शरबत और अन्य ठंडे पेय उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा अन्नक्षेत्र में तैयार होने वाला हलवा, पोहा और पारंपरिक प्रसाद भी वितरित किया जाएगा।

बच्चों के लिए गर्म दूध और बिस्कुटः कतार में आने वाले छोटे बच्चों की सुविधा का भी ध्यान रखा गया है। उनके लिए गर्म दूध और बिस्कुट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Shahjahan Shahid Lateef W/O Shahid Lateef निवासी-15, हैमिल्टन कोर्ट, मनुआभान टेकरी, एयरपोर्ट रोड भोपाल (मध्य प्रदेश) मैं यह घोषणा करती हूं कि मेरा पूर्व में नाम Shahjahan था जो कि मेरे पूर्व पासपोर्ट पर लिखा है अब मैंने अपना नाम बदलकर Shahjahan Shahid Lateef (new name) रख लिया है जो मेरे अन्य दस्तावेजों में दर्ज है अब मुझे इसी नए नाम Shahjahan Shahid Lateef W/O Shahid Lateef से जाना व पहचाना जाए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-1, राज. परि. प्रशा., लो.नि.वि., ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल,

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है :-

स. क्र.	टेण्डर नं.	निविदा क्र. एवं दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन विक्रय डाऊनलोड की अंतिम तिथि
1	2026_CPA_547227_1	79/SAC dt 02.11.26	उप संभाग क्रमांक-6, राज.परि.प्रशा. लो.नि. वि. भोपाल के अधीन मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य	Rs.42.00	Rs.50000.00	Rs.10000/-	13.11.2026

उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डोक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं आनलॉइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 13.11.2026 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमाक राज. परि. प्रशा., लो.नि.वि., ई-5
अरेरा कालोनी भोपाल 0755-2464382

जी-21318/26